# S-360

Total Pages : 3 Roll No. .....

# PJ-101

## खगोलीय परिचय एवं फलित ज्योतिष हेतु आरम्भिक गणित

Certificate/Diploma in Phalit Jyotish (CPJ/DPJ)

1st Sem./1st Year Examination, 2022 (Dec.)

**Time : 2 Hours]** **Max. Marks : 100**

**नोट :** यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

### ( खण्ड-क )

### ( दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न )

**नोट :** खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. सौरमण्डल का परिचय देते हुए ग्रहों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

2. राशि एवं नक्षत्र को परिभाषित करते हुए सैद्धान्तिक विश्लेषण करें।

3. पंचांग क्या है? नक्षत्र एवं योग की गणितीय व्याख्या कीजिए।

4. स्वकल्पित लग्न साधन कीजिए।

अथवा

द्वादश भाव स्पष्ट साधन कीजिए।

5. योगिनी दशा से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट साधन कीजिए।

## ( खण्ड-ख )

## ( लघु उत्तरों वाले प्रश्न )

**नोट :** खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. काल से आप क्या समझते हैं?

2. नक्षत्र की सैद्धान्तिक व्याख्या कीजिए।

3. तिथि एवं वार का परिचय दीजिए।

4. राशि क्या है? स्वरूप का वर्णन करें।

5. दशाओं का परिचय देते हुए विंशोत्तरी दशा का साधन विधि बतलाइए।

6. द्वादश भाव का परिचय दीजिए।

7. ज्योतिषशास्त्र पर टिप्पणी लिखिए।

8. करण किसे कहते हैं? व्याख्या कीजिए।